an>

Title: The Minister of Health and Family Welfare laid a statement regarding Ebola virus disease outbreak in West Africa and the steps being taken by Government of India to protect our citizens from the same.

-

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. हर्ष वर्धन) ः अध्यक्ष जी, मैं माननीय सदस्यों के लिए पश्चिम अफ्रीका में इबोला वायरस रोग के प्रकोप के संबंध में प्राप्त रिपोर्टों और भारत सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्रवाई के विषय में एक वक्तव्य सदन के पटल पर रखता हूं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से पश्चिम अफ्रीका के चार देशों नामतः गीनिया, लाइबेरिया, सियरा लीयोन और नाइजीरिया में 887 मौतों सहित 1603 मामलों (दिनांक 04 अगस्त, 2014 तक) की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। उक्त देशों में इस रोग के मामलों की संख्या क्रमशः 485, 468, 646 और 4 है, जबकि उसके कारण होने वाली मौतों की संख्या क्रमशः 358, 255, 273 और 1 है।

इबोला वायरस एक फाइलोवायरस है, जिसकी पांच भिन्न-भिन्न प्रजातियां हैं। मौजूदा प्रकोप में जिस विशेष वायरस को अलग किया गया है वह जायरे इबोला वायरस है। इबोला वायरस रोग एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है जिससे पीड़ित लोगों में 90औ लोगों की मृत्यु हो जाती है। अफ्रीका में फ्रूट बैट वगगाढड़ इबोला वायरस के वाहक हैं जिनसे पशु (चिम्पांजी, गोरिल्ला, बंदर, वन्य मृग) संक्रमित होते हैं। मनुष्यों को या तो संक्रमित पशुओं से या संक्रमित मनुष्यों से संक्रमण होता है, जब वे संक्रमित शारीरिक द्रवों या शारीरिक सूत्रों के निकट संपर्क में आते हैं। इसमें वायु जनित संक्रमण नहीं होता है। मौजूदा प्रकोप के दौरान अधिकांश रोग मानव से मानव को होने वाले संक्रमण से फैला है। इबोला वायरस के संक्रमण होने तथा रोग के लक्षण प्रकट होने के बीच की अवधि 2-21 दिन होती है जिसके दौरान प्रभावित व्यक्तियों से संक्रमण होने का खतरा नहीं रहता है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, भारत सरकार ने दिनांक 02 मई, 2014 और 01 अगस्त, 2014 को स्थिति की समीक्षा की है। तदुपरांत, राज्य रोग निगरानी इकाइयों को समुदाय से सूचित प्रभावित देशों से आने वाले लोगों में उक्त वायरस का शुरू में पता लगाने तथा उसका प्रबंधन करने के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए। वायरस के परीक्षण के लिए राष्ट्रीय वायरोलॉजी संस्थान, पुणे और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली में प्रयोगशाला क्षमता को भी सुदृढ़ किया गया है।

विदेश मंत्रालय ने सूचित किया है कि जेनेवा, लाईबेरिया और सियरा लियोन में लगभग 4700 भारतीय हैं जहां से अधिकतम मामलों की सूचना मिली है। इनमें से प्रत्येक देश में यह संख्या क्रमशः 500, 3000 और 1200 हैं। लाईबेरिया में भारतीयों की संख्या में भारतीय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के लगभग 300 कार्मिक शामिल हैं जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं जो संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा ऑपरेशन का हिस्सा हैं। नाइजीरिया में लगभग 40,000 भारतीय नागरिक काफी बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यदि प्रभावित देशों में स्थिति बदतर होती है तो इन भारतीयों के भारत लौटने की संभावना हो सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सूचित किया है कि अफ्रीकी महाद्वीप में लगभग 7000 भारतीय टुकड़ियां तैनात हैं लेकिन ये प्रभावित देशों में नहीं हैं।

मैंने 5 अगस्त, 2014 को आयोजित एक बैठक में स्थिति की समीक्षा की है जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गृह मंत्रालय (आप्रवासी विभाग सहित), विदेश और नागरिक उड्डयन मंत्रालयों/विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इसके अतिरिक्त, इस बैठक में सशस्त्र सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भारत में इस रोग के खतरे, तथा हमारे द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों और किए जाने वाले रोकथाम उपायों, जारी किए जाने वाले दिशा-निर्देशों आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

मैं संसद के माननीय सदस्यों को यह अवगत कराना चाहता हूं कि अफ्रीकी क्षेत्र के बाहर के देशों में इस विषाणु के फैलने का खतरा कम है। फिर भी, अत्यधिक सावधानी बरतते हुए हम संबंधित एयरलाइनों से मूल रूप से इबोला विषाणु से प्रभावित देशों से अथवा इनसे गुजर कर भारत आने वाले यात्रियों का ब्यौरा प्राप्त करेंगे और उनके स्वास्थ्य की दृष्टि से उन पर नज़र रखेंगे। इस उद्देश्य के लिए, इन देशों में रहने वाले भारतीय समुदायों तथा प्रभावित देशों से भारत आने वाले यात्रियों में जागरूकता पैदा की जाएगी। आप्रवासन (इमिग्रेशन) जांच के समय प्रभावित देशों से आने वाले तथा वहां से गुजरने वाले यात्रियों को स्वयं रिपोर्ट देनी होगी। एयरलाइनों द्वारा उड़ान के दौरान भी इस संबंध में उद्घोषणाएं की जाएंगी। इस रोग के लक्षणों वाले यात्रियों की जांच के लिए हवाई अड्डों/बंदरगाहों पर सुविधा केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। जिन यात्रियों में इसके लक्षण उभरने लगेंगे, उनकी चार सप्ताह तक निगरानी की जाएगी और इन लक्षणों का शुरूआत में पता लगाने के लिए निगरानी प्रणाली को चुस्त-दुरूस्त बनाया जाएगा। इन लोगों को इस रोग के लक्षण उभरने पर स्वयं रिपोर्ट करने की भी सलाह दी जाएगी।

सशस्त्र बल अपने कार्मिकों को प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी देने और इस संक्रमण के खतरों को कम करने के बारे में उन्हें उपयुक्त जानकारी और सलाह देने के लिए उचित कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा, सशस्त्र बलों द्वारा भारत में उनके कार्मिकों के छुट्टी से वापस आने अथवा अन्यथा लौटने पर उनकी उचित रूप से पहचान की जाएगी और उनमें इस विषाणु के लक्षणों पर नज़र रखी जाएगी।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे नोडल अधिकारियों का चयन करें और ऐसे अस्पतालाओं को विनिर्दिष्ट करें जहां किसी संभावित मामले से निपटने के लिए अलग से वार्ड बनाए जाएं। राज्यों से भी यह कहा जायेगा कि वे स्वास्थ्य परिचर्या कार्मिकों और डाक्टरों की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण तैयार रखें। प्रिंट और विजुअल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता पैदा की जाएगी। इबोला विषाणु के संबंध में उपचार और निदान संबंधी प्रोटोकॉल को हमारी वेबसाइट पर डाला जाएगा और इसका विभिन्न स्टेकहोल्डरों में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। भारतीय चिकित्सा संघ को भी नैदानिक एवं उपचार प्रोटोकॉलों के संबंध में सभी सदस्यों को सूचित करने का अनुरोध किया जा रहा है।

पश्चिम अफ्रीका के 4 देशों नामतः गीनिया, लाईबेरिया, सियरा लियोन और नाइजीरिया में इबोला वायरस के प्रकोप की रिपोर्टों को ध्यान में रखते हुए यह सिफारिश की जाती है कि इबोला वायरस रोग के प्रकोप की स्थिति पर काबू पाए जाने तक इन देशों की यात्रा तब तक न की जाए, जब तक कि ऐसा करना बेहद जरूरी न हो।

हालांकि इबोला विषाणु रोग के लिए कोई वैक्सीन अथवा उपचारात्मक थैरेपी नहीं है, फिर भी मैं इस सदन को इस बात से अवगत कराना चाहता हूं कि यदि हमारे देश में ऐसे मामलों की सूचना मिलती है तो इन मामलों की शीघ्र पहचान करके और रोगी को पृथक रखकर, संपर्क संबंधी गतिविधियों पर नज़र रखकर और निगरानी करके, तथा संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए कड़ी प्रक्रिया अपनाकर इस विषाणु के फैलने पर अंकुश लगाया जा सकता है।

मैं माननीय सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे द्वारा पूरी सावधानी बरती जा रही है। स्थिति पर नज़र रखी जा रही है। हालांकि भारत में इबोला विषाणु के मामलों का खतरा कम है, फिर भी इस विषाणु के भारत में बाहर से आने पर रोक लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

माननीय अध्यक्ष : आप चिंता मत कीजिए। कृपया आप अपनी जगह पर बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चिंता मत कीजिए। मैं सक्षम हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा करना अच्छा नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

12.06 hrs

At this stage, Shri Rajesh Ranjan, Shri Kodikunnil Suresh and some other hon. Members went back to their back to their seats.

माननीय अध्यक्ष : मैंने उनको अलाऊ किया है और कहा था कि I will allow you. उन्होंने मेरे शब्द रखें हैं। I am allowing you.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ये सब क्या हो रहा है? आपको क्यों चिंता हो रही है। आपको भी शून्य काल में मौका मिलने वाला है। मैंने उनको शून्य काल में अलाऊ किया है। Who are you to ask me anything?

...(*Interruptions*)